

NCERT Solutions class 12 स्वतंत्र भारत में राजनीति Chapter-2 एक दल की प्रधानता का युग

NCERT Solutions class 12 स्वतंत्र भारत में राजनीति Chapter-2 एक दल की प्रधानता का युग

NCERT Solutions

CHAPTER-2 एक दल की प्रधानता का युग

प्रश्नावली (उत्तर सहित)

1. सही विकल्प को चुनकर खाली जगह को भरें:

(क) 1952 के पहले आम चुनाव में लोकसभा के साथ-साथ.....के लिए भी चुनाव कराए

गए थे। (भारत के राष्ट्रपति पद/राज्य विधानसभा/राज्यसभा/प्रधानमंत्री)

(ख).....लोकसभा के पहले आम चुनाव में 16 सीटें जीतकर दूसरे स्थान पर रही। (प्रजा

सोशलिस्ट पार्टी/भारतीय जनसंघ/भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी/भारतीय जनता पार्टी)

(ग).....स्वतंत्र पार्टी का एक निर्देशक सिद्धांत था। (कामगार तबके का हित/रियासतों

का बचाव/राज्य के नियंत्रण से मुक्त अर्थव्यवस्था/संघ के भीतर राज्यों की स्वायत्तता)

उत्तर (क) राज्य विधान सभा

(ख) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

(ग) राज्य के नियंत्रण से मुक्त अर्थव्यवस्था

2. यहाँ दो सूचियाँ दी गई हैं। पहले में नेताओं के नाम दर्ज हैं और दूसरे में दलों के। दोनों सूचियों में मेल बैठाएं:

(क) एस.ए. डांगे

(i) भारतीय जनसंघ

(ख) श्यामा प्रसाद मुखर्जी

(ii) स्वतंत्र पार्टी

(ग) मीनू मसानी

(iii) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी

(घ) अशोक मेहता

(iv) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

उत्तर (क) एस.ए. डांगे

(iv) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

- (ख) श्यामा प्रसाद मुखर्जी (i) भारतीय जनसंघ
(ग) मीनू मसानी (iv) स्वतंत्र पार्टी
(घ) अशोक मेहता (iii) प्रजा सोशलिस्ट पार्टी

3. एकल पार्टी के प्रभुत्व के बारे में यहाँ चार बयान लिखे गए हैं। प्रत्येक के आगे सही या गलत का चिह्न लगाएँ:

(क) विकल्प के रूप में किसी मजबूत राजनीतिक दल का अभाव एकल पार्टी-प्रभुत्व का कारण था।

(ख) जनमत की कमजोरी के कारण एक पार्टी का प्रभुत्व कायम हुआ।

(ग) एकल पार्टी-प्रभुत्व का संबंध राष्ट्र के औपनिवेशिक अतीत से है।

(घ) एकल पार्टी-प्रभुत्व से देश में लोकतांत्रिक आदर्शों के अभाव की झलक मिलती है।

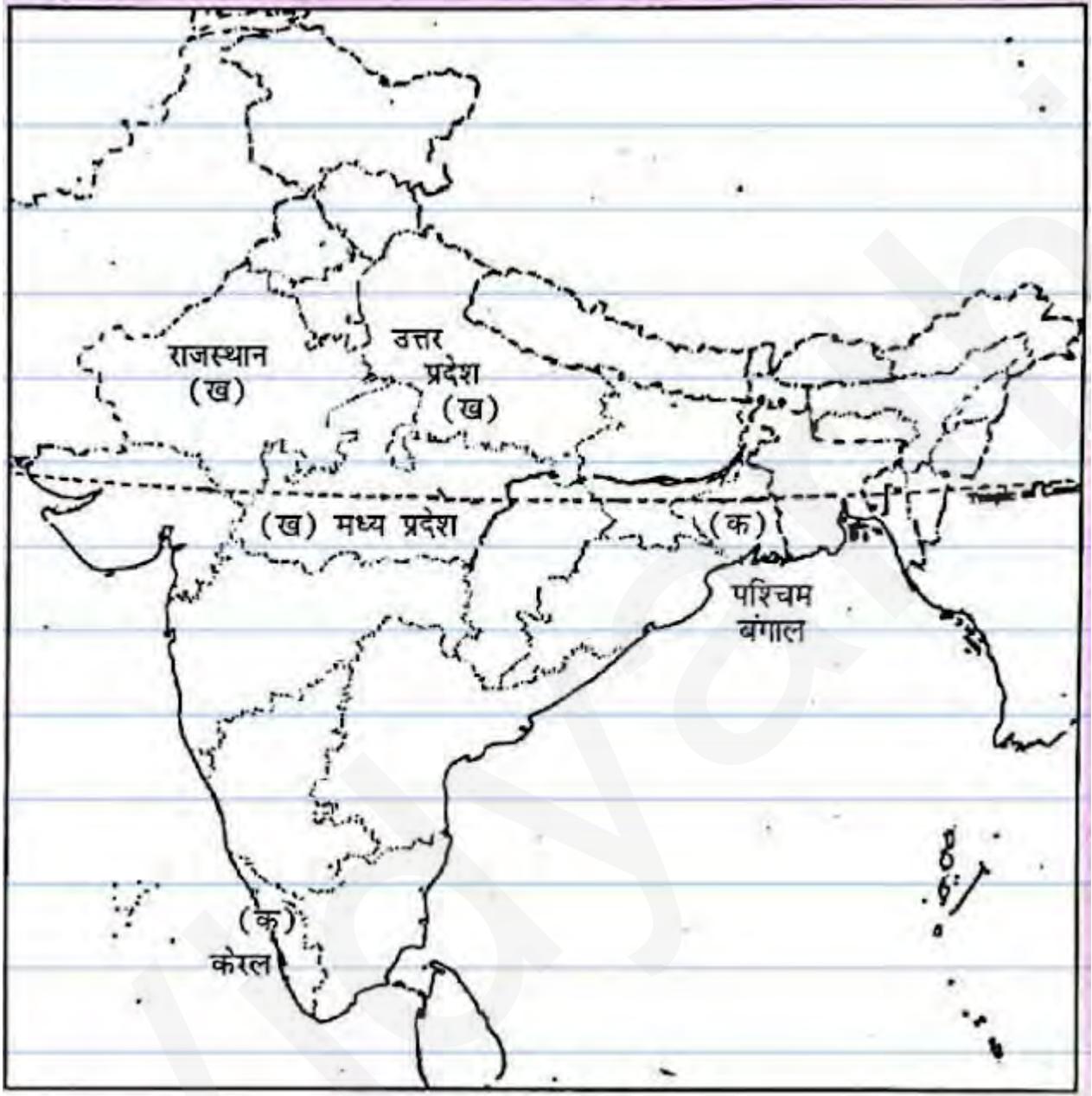
उत्तर (क) () (ख) (x)

(ग) () (घ) (x)

4. भारत का एक राजनीतिक नक्शा लीजिए (जिसमें राज्यों की सीमाएं दिखाई गई हों) और उसमें निम्नलिखित को चिह्नित कीजिए:

(क) ऐसे दो राज्य जहाँ 1952-67 के दौरान कांग्रेस सत्ता में नहीं थी।

(ख) दो ऐसे राज्य जहाँ इस पूरी अवधि में कांग्रेस सत्ता में रही।



छात्र स्वयं करे

5. निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: कांग्रेस के संगठनकर्ता पटेल कांग्रेस को दूसरे राजनीतिक समूह से निसंग रखकर उसे एक सर्वांगसम तथा अनुशासित राजनीतिक पार्टी बनाना चाहते थे। वे चाहते थे कि कांग्रेस सबको समेटकर चलने वाला स्वभाव छोड़े और अनुशासित कॉडर से युक्त एक सगुंफित पार्टी के रूप में उभरे। 'यथार्थवादी होने के कारण पटेल व्यापकता की जगह अनुशासन को ज्यादा तरजीह देते थे। अगर "आंदोलन को चलाते चले जाने" के बारे में गाँधी के खाल हद से ज्यादा रोमानी थे तो कांग्रेस को किसी एक विचारधारा पर चलने वाली अनुशासित तथा धुरंधर राजनीतिक पार्टी के रूप में बदलने की पटेल की धारणा भी उसी तरह कांग्रेस की उस समन्वयवादी भूमिका को पकड़ पाने में चूक गई जिसे कांग्रेस को आने वाले दशकों में निभाना था।

(क) लेखक क्यों सोच रहा है कि कांग्रेस को एक सर्वांगसम तथा अनुशासित पार्टी नहीं होना चाहिए?

(ख) शुरुआती सालों में कांग्रेस द्वारा निभाई गई समन्वयवादी भूमिका के कुछ उदाहरण दीजिए।

उत्तर (क) लेखक ऐसा इसलिए सोच रहा है कि कांग्रेस को एक सर्वांगसम और अनुशासित पार्टी नहीं होना चाहिए क्योंकि वे उसे यथार्थवादी और अनुशासित पार्टी बनाए जाने के पक्ष में नहीं है। वह इसे गांधीवादी विचारधारा के साथ-साथ भूमि सुधार, समाज सुधार, दलित उद्धार, समन्वयवादी भूमिका में लाना चाहता है।

(ख) प्रारम्भिक वर्षों में कांग्रेस में शांतिप्रिय, अहिंसावादी, उदारवादी, उग्रराष्ट्रवादी, हिन्दू महासभा के अनेक नेताओं, व्यक्तिवाद के समर्थकों, सिक्ख और मुस्लिम जैसे अल्पसंख्यकों को विशेषाधिकार दिए जाने वाले समर्थकों, हिंदी का विरोध करने वाले नेतागणों, आदिवासी हितैषियों, अनुसूचित जनजातियों और अनुसूचित जातियों के समर्थकों, समाज सुधारकों, समाजवादियों, रूस और अमेरिका दोनों के समर्थकों, जमींदारी प्रथा के उन्मूलनकर्ताओं और देशी राजाओं के परिवार से जुड़े लोगों को साथ लेकर चलने वाले निर्णय, कार्यक्रम आदि कांग्रेस द्वारा निभाई गई समन्वयवादी भूमिका के कुछ उदाहरण हैं।